Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Webinar on 'Intellectual Property Rights and its Contribution in Nation Building'

Newspaper: Haribhoomi **Date: 07-09-2022**

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

हकेंवि में बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर वेबिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रही।

बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा उत्तर प्रदेश, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर राजस्थान, आरपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी करनाल, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी राजौंद (कैथल), चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी हिसार, सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी बालावाला देहरादून, गांधी कॉलेज ऑफ फार्मेसी करनाल, आरकेएसडी कॉलेज ऑफ फार्मेसी कैथल, स्टार एक्स यूनिवर्सिटी गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 07-09-2022**

हकेवि में बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर वेबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। वेबिनार में विशेषज्ञ सुश्री पारुल ने अपने भाषण में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रमुख बिंदुओं और प्रकारों पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय,बठिंडा; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश; गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान); आरपी

इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी, करनाल; सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी; सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फामेर्सी, राजौंद (कैथल); चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, हिसार; सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादून; गांधी कॉलेज ऑफ फामेर्सी, करनाल; आर.के.एस.डी कॉलेज ऑफ फामेर्सी, कैथल; स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संसथानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आईपीएफसी एसोकेम बैंगलोर में कार्यरत सुश्री पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटेंट पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं और उनके इस अनुभव से प्रतिभागी अवश्य ही लाभावित होंगे। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व सभी शिक्षकों का धन्यवाद किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 07-09-2022**

हकेवि में बौद्धिक संपदा अधिकार व राष्ट्र निर्माण विषय पर वेबिनार

महेंद्रगढ़| हकेवि, महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्त्व पर जोर दिया।

उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। वेबिनार में विशेषज्ञ पारुल ने अपने भाषण में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रमुख बिंदुओं और प्रकारों पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश; गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, हिसार; जय नारायण व्यास विवि, जोधपुर (राजस्थान), आरपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, करनाल; सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी; सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजौंद (कैथल), चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, हिसार; सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादून, गांधी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, करनाल; आरकेएसडी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कैथल; स्टार एक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आईपीएफसी एसोकेम बैंगलोर में कार्यरत पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटेंट पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं और उनके इस अनुभव से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 07-09-2022**

बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण पर वेबिनार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार व राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार कराया गया। इसमें विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्त्व पर जोर दिया।

उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण

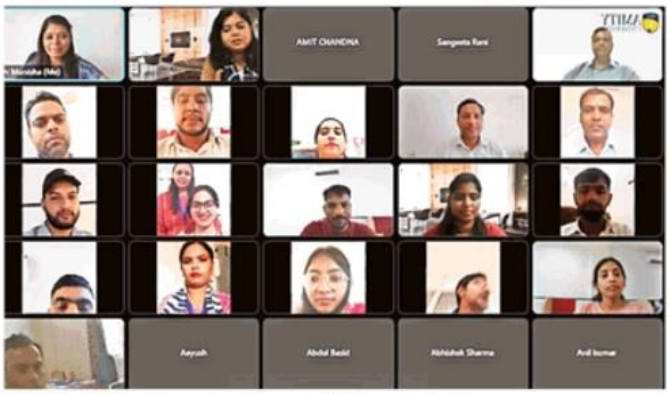

हकेंवि में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ ● सौ. संस्था

दिया। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डा. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, आरपी इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी करनाल, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी, सावित्री देवी मेमोरियल कालेज आफ फार्मेसी राजौंद, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी हिसार, सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी देहरादून, गांधी कालेज आफ फार्मेसी करनाल, आरकेएसडी कालेज आफ फार्मेसी कैथल, स्टार एक्स यूनिवर्सिटी गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आईपीएफसी एसोकेम बेंगलुरु में कार्यरत पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटेंट पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की माडरेटर डा. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 07-09-2022**

ह.के.वि. में बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर वैबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 6 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। वैबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रही।

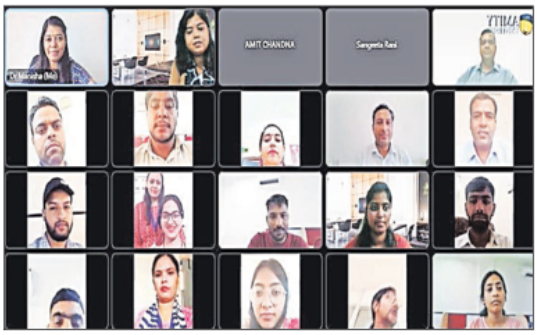

ह.के.वि. में आयोजित वैबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ।

वैबिनार में विशेषज्ञ पारुल ने अपने भाषण में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रमुख बिंदुओं और प्रकारों पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वैबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डा. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश; गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान); आरपी इंस्टीच्यूट ऑफ फार्मेसी, करनाल; सिद्धार्थ इंस्टीच्यूट ऑफ फार्मेसी; सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजौंद (कैथल); चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, हिसार; सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादून; गांधी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, करनाल; आर.के.एस.डी कालेज ऑफ फार्मेसी, कैथल; स्टार एक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आई.पी.एफ.सी. एसोकेम बैंगलोर में कार्यरत पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटैंट पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं और उनके इस अनुभव से प्रतिभागी अवश्य ही लाभान्वित होंगे। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की मॉडरेटर डा. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में डा. सुमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन में फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार व सभी शिक्षकों का धन्यवाद किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 07-09-2022**

CUH HOLDS NATIONAL WEBINAR

Mahendragarh: A national webinar on "Intellectual Property Rights and its Contribution in Nation-building" was organised by the department of pharmaceutical sciences at Central University of Haryana (CUH) here. More than 100 research scholars and faculty members from various states participated in the event. Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said programmes like these were beneficial, especially for research scholars and faculty members working in the field of drug discovery, and formulation development process.

The Tribune Wed, 07 September 2022 https://epaper.tribune.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 07-09-2022**

वेबिनार में राष्ट्र निर्माण पर मंथन

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताए बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए दवा की खोज और उसकी विकास प्रक्रिया में काम करने वाले शोध छात्रों और संकाय सदस्यों की सराहना की।

विशेषज्ञ सुश्री पारुल ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में बताया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा उत्तर प्रदेश, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर (राजस्थान), आरपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी करनाल, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजौंद (कैथल); चैधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी हिसार, सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादून, गांधी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, करनाल, आर.के.एस.डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कैथल, स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम समेत 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

'विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की भूमिका अहम'

हकेंवि में कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार । संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। इस दौरान शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने यूजीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में भी हिस्सा लिया। मोटिवेटिड एंड एनर्जाइज्ड टीचर्स इन हॉयर एजुकेशन विषय पर आधारित इस ऑनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने विभिन्न फेलोशिप व अनुदान सुविधाओं की घोषणा की। कुलपति ने कहा कि प्राचीन काल में जब किताबें उपलब्ध नहीं थी तब शिक्षक ज्ञान सृजन में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक थे। किताबों की उपलब्धता और आज के समय में सूचना तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद शिक्षकों की महत्ता निरंतर बरकरार है। प्रो. पवन कुमार मौर्य औप प्रो. नीलम सांगवान ने विभिन्न विभागों द्वारा जारी श्रेष्ठ प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम की समंवयक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर सभागार में मौजूद शिक्षकों के लिए विभिन्न माइंड मेपिंग गेंस का भी आयोजन किया गया। संवाद